युग पुरुषों की शौर्य गाथाएँ आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने चूरू में ''शौर्य के साथ संकल्प दिवस'' पर ले.जनरल सगत सिंह की मूर्ति का अनावरण किया

चूरू/जयपुर, 22 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों एवं रणबांकुरों की धरती है। यहां के सपूतों ने अनेक युद्धों में वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ को नमन करते हुए कहा कि वीर भूमि के इस सपूत ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर साहस का अप्रतिम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि इन युगपुरूषों से युवाओं को दिशा मिलती है तथा इनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेंगी।

शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह ने 19 साल की उम्र में बीकानेर रियासत की सेना में सैन्य जीवन से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पद्म भूषण और परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के सम्मान में चूरू स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए सजग होकर निरन्तर कार्य कर रही है। डीडवाना-कुचामन में राजस्थान के पहले एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर की स्थापना की तथा नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोले जा रहे हैं। साथ ही, आरटीडीसी के सभी होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल की प्रतिमा अनावरण से नौजवानों को नई दिशा मिलेगी एवं आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के बलिदान एवं साहस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत-चीन युद्ध में नाथूला बॉर्डर पर उन्होंने दुश्मनों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने आजाद भारत की सेना में विभिन्न पदों पर अपना कौशल सिद्ध किया। चूरू में जन्मे सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद थे।

- **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ले.जनरल सगत सिंह के 1971 के युद्ध में योगदान को याद किया।**

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह भारत की सैन्य गौरवगाथा के अमर प्रतीक हैं। 1971 के युद्ध में मेघना नदी पार कर उनकी कुशल रणनीति ने पाकिस्तान को पराजित किया और बांग्लादेश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया, विधायक हरलाल सहारण सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

क्या ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने राज्य के वकीलों द्वारा प्रस्तुत कानूनी तर्कों को भी खारिज कर दिया।

ईडी अधिकारियों के मौलिक अधिकारों को लेकर दिए गए तर्कों को संक्षेप में खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि कार्यपालिका के हस्तक्षेप की वास्तविकता निर्विवाद है।

मतदान दिवस नजदीक आते ही ममता बनर्जी का मानसिक संतुलन बिगड़ता हुआ प्रतीत हो रहा है और वे एक के बाद एक गलतियां कर रही हैं। उनके चुनावी भाषणों में न तो राजनीतिक सामग्री है और न ही नीतिगत चर्चा। वे असंबंधित मुद्दों पर टिप्पणी कर रही हैं।

एक चुनावी सभा में उन्होंने जलियां वाला बाग नरसंहार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना के जवाब में महात्मा गांधी ने एक कविता लिखी थी, जिसे उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद लिखी गई कविता बताया।

उनकी इस तरह की गलतियां लगातार सामने आ रही हैं और लोग अब शायद इन पर ध्यान देना भी बंद कर चुके हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते हैं, तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। यदि बड़ी संख्या में तैनात केन्द्रीय बल हिंसा को रोकने में सफल रहते हैं और लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने दिया जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस के लिए स्थिति कठिन हो सकती है।

लंबे समय से सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, सत्तारूढ़ तंत्र के लोगों द्वारा कथित आपराधिक दबाव और एक सरकारी अस्पताल में एक युवा महिला डॉक्टर की निर्मम हत्या जैसी घटनाओं ने सरकार के प्रति नकारात्मक माहौल बनाया है।

इसके अलावा, ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाताओं पर पकड़ भी कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। समुदाय के भीतर से कई आवाजें उनके और उनकी सरकार के खिलाफ उठ रही हैं। इन बदलावों को देखते हुए वे बहुसंख्यक समुदाय की सहानुभूति हासिल करने के लिए अपनी नीतियों में बदलाव करती नजर आ रही हैं।

इस चुनाव के नतीजे काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि मुस्लिम वोट कितनी हद तक विभाजित होते हैं। जितना अधिक वोट तृणमूल कांग्रेस से दूर जाएगा, उतना ही अधिक लाभ भाजपा को होगा।

- **ममता जी के वकीलों की मजबूत टीम ने यह दलील दी कि ईडी को कोई संवैधानिक अधिकार नही है। सुप्रीम कोर्ट ने इन वकीलों की दलील को दो सैकण्ड में अस्वीकार करते हुए कहा। सरकार द्वारा छापे की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का मामला साफ दिख रहा है कहकर ममता जी के खिलाफ सख्त ''ऑब्ज़र्वेशन'' किए।**

ट्रंप ने ईरान के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी कूटनीतिक स्थिति को पुन: स्थापित करने और निवेश आकर्षित करने की कोशिश है। मिडिल ईस्ट में अस्थिरता पूँजी के संकट से जूझ रहे इस्लामाबाद के लिए अनुकूल नहीं है, क्योंकि यह न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए चुनौती है, बल्कि सऊदी अरब के साथ उसके सुरक्षा समझौते और खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भरता के कारण उसे संघर्ष में खींच सकती है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (पीआईडीई) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, तेल की बढ़ती कीमतें आयात बिल बढ़ाती हैं, महंगाई का दबाव बढ़ाती हैं और विनिमय दर पर दबाव डालती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ती है।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया, ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जो अभी बंद है, अगर यह बंद लंबे समय तक जारी रहता है, तो औद्योगिक लागत बढ़ा सकता है और समग्र व्यापारिक विश्वास को कमज़ोर कर सकता है। इसके अलावा, ऊंची ऊर्जा कीमतें व्यापार घाटा बढ़ा सकती हैं और बाहरी वित्तीय जरूरतों पर दबाव डाल सकती हैं।''

अक्सर धार्मिक उग्रवाद के आंतरिक खतरों और कमज़ोर अर्थव्यवस्था के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्याग्रस्त देश के रूप में देखे जाने वाले इस्लामाबाद ने इस संघर्ष में अपनी तटस्थता और दोनों देशों से अच्छे संबंधों का लाभ उठाते हुए ''मध्यस्थ'' की भूमिका निभाने के मौके को हाथों हाथ लिया। पिछले सप्ताह तेहरान की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने इज़रायल और लेबनान के बीच युद्धविराम कराने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को खोलने में भी प्रगति की थी, हालांकि यह अल्पकालिक साबित हुआ। कई जगहों पर पाकिस्तान की छवि एक कमज़ोर अर्थव्यवस्था और आतंकवाद का समर्थन करने वाले देश की रही है। हालांकि, वह मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु शक्ति संपन्न देश है, जिसके पास 6 लाख सैनिकों की सेना है, इस नाते इस्लामाबाद मानता है कि वह अब तक अपनी क्षमता से कम प्रभाव डाल रहा था।

जैसे-जैसे एक नयी बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था आकार ले रही है, पाकिस्तान के नेता अपनी सैन्य ताकत का उपयोग करते हुए अधिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कमज़ोर अर्थव्यवस्था और अस्थिर राजनीति की कमियों को संतुलित किया जा सके।

हाल के समय में पाकिस्तान की आर्थिक कमज़ोरी स्पष्ट रही है, जहां पैसे बचाने के लिए रोजाना बिजली कटौती की जा रही है और सऊदी अरब से 3 अरब डॉलर का आपातकालीन ऋण लिया गया है। वह उम्मीद कर रहा है कि बढ़ती वैश्विक साख से उसे अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, इसके लिए करों में कमी और मजबूत कानून जैसे आर्थिक सुधार भी जरूरी होंगे। पाकिस्तान पहले ही अमेरिका के साथ कई आर्थिक समझौते कर चुका है। यदि ये वार्ताएं युद्ध को समाप्त करने में सफल रहती हैं, तो इससे इस्लामाबाद की विश्वसनीयता और बढ़ेगी और नए अवसर खुलेंगे।

लेकिन कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि यदि बातचीत विफल होती है, तो पाकिस्तान पर भी इसका दोष आ सकता है। पहले से ही इस्लामाबाद पर अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाने के आरोप लगते रहे हैं, और ऐसा प्रभाव देश के भीतर उन वर्गों को पसंद नहीं आएगा, जो अमेरिका का विरोध करते हैं।

आईआरएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घर का पुराना नौकर है। उसे करीब एक महीने पहले पैसों में गड़बड़ी के आरोप में काम से निकाला गया था। राहुल मीणा राजस्थान के अलवर का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, वह करीब आठ महीने तक आईआरएस अफसर के घर पर नौकर था। वह आईआरएस अफसर के घर के हर कोने से वाकिफ था। उसे यह भी पता था कि युवती के माता-पिता कब वॉक या जिम के लिए घर से निकलते हैं।

प.बंगाल की 84 एससी/एसटी बहुल सीटें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एससी और 7 एसटी सीटें जीतीं, जबकि टीएमसी का प्रदर्शन भी लगभग बराबरी पर रहा, क्योंकि पार्टी ने 36 एससी सीटें हासिल कीं।

इस चुनाव में टीएमसी और भाजपा दोनों ही अपने पक्ष में वोटों के रुझान (स्विंग फैक्टर) पर भरोसा कर रही हैं। इन पार्टियों के प्रमुख नेता, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शामिल हैं, ने जंगलमहल क्षेत्र के पुरुलिया, बंकुरा, पश्चिम मिदनापुर और झारग्राम जैसे इलाकों में व्यापक प्रचार किया है।

इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र उत्तर बंगाल के रुप में उभरा है, जहां एससी और एसटी आबादी का मिश्रण है और जिसमें कूच बिहार, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी तथा पूर्व और पश्चिम दिनाजपुर जिले शामिल हैं। बांग्लादेश से सटे दक्षिण बंगाल की एससी-बहुल मातुआ बेल्ट भाजपा के लिए एक खास लक्ष्य रही है, जहां वह राजबंशी समुदाय के बीच भी अपना आधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है। वहीं टीएमसी को उम्मीद है कि वह अपने स्थानीय विकास कार्यों और ''लक्ष्मी भंडार'' जैसी कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर इन 84 सीटों पर अपना प्रभाव बनाए रखेगी।

संजय झा फिर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। निशांत कुमार को लगातार पार्टी गतिविधियों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे पार्टी कार्यालय में बैठकों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि वे अगले महीने बिहार यात्रा पर भी निकल सकते हैं, जिससे जदयू के जनसंपर्क अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908